आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 301 | उज्जैन, शनिवार 20 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

विकास से विंध्य क्षेत्र की बदलेंगे तकदीर-मुख्यमंत्री

त्योंथर में न्यू आईटीआई सहित 400 एकड़ में बनाया जाएगा नया औद्योगिक प्रक्षेत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में विकास यज्ञ चल रहा है। विकास का यह कारवां अब रूकेगा नहीं, बल्कि और तेजी से यूं ही चलता रहेगा। विंध्य के विकास में सरकार कोई कसर नहीं रखेगी और हम सब मिलकर विकास परियोजनाओं के जरिए इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विंध्य क्षेत्र के विकास के लिए त्योंथर में 400 एकड़ उपलब्ध भूमि पर नया औद्योगिक प्रक्षेत्र बनाने, त्योंथर के सिविल अस्पताल को 50 बेड से बढ़ाकर 100 बेडेड करने, त्योंथर में आईटीआई का निर्माण और तमस नदी के तट पर रिवर कॉरिडोर बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने निवेशक फर्म आईओसीजीपीएस रिन्युएबल प्रायवेट लिमिटेड द्वारा करीब 125 करोड़ रूपए की लागत से स्थापित किए जाने वाले कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट का भूमिपूजन भी किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीवा सड़क दुर्घटना में मृत जीना वर्मा के परिजन को सरकार की ओर से 4 लाख रुपए की सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को रीवा जिले के त्योंथर विधानसभा के चाकघाट कृषि उपज मंडी में आयोजित विंध्य विकास संकल्प सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्या पूजन कर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने भूतपूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व. श्री श्रीनिवास तिवारी की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विंध्य क्षेत्र न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को रोशन करने में अग्रणी है। इस क्षेत्र ने विद्युत उत्पादन, सोलर पॉवर प्रोडक्शन और नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

ऊर्जा उत्पादन में धनी यह क्षेत्र सच्चे अर्थों में देश की ऊर्जा धानी बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक विकास की गतिविधियां तेजी से जारी हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी, खाली कराया गया कैंपस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। मुंबई पुलिस ने बताया कि धमकी मिलने के तुरंत बाद परिसर को खाली करा लिया गया। लेकिन इस दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

अभी कुछ दिन पहले भी बॉम्बे हाईकोर्ट को ऐसी ही धमकी मिली थी। जिसके बाद मौके पर बम निरोधी दस्ते और डॉग स्क्वॉड भेजा गया था। धमकी मिलने के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई थी। तब भी पूरे क्षेत्र की जांच के बाद पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। महज 7 दिन में धमकी मिलने का यह दूसरा मामला है।

इसके पहले सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट को भी ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। पुलिस ने परिसर की गहन तलाशी ली थी, जिसके बाद इसे झूठा पाया गया था। जून से अब तक गुजरात हाईकोर्ट को मिली यह तीसरी झूठी धमकी थी।

बता दें कि पिछले शुक्रवार दिल्ली हाईकोर्ट और बॉम्बे हाईकोर्ट को एक साथ बम की धमकी मिली थी। धमकी में कहा गया था कि परिसर में तीन आईईडी लगाए गए हैं।

पूरी जांच के बाद इसे झूठा पाया गया था। इस कारण अदालत की कार्यवाही काफी देर तक रुकी हुई थी।

मुस्लिम हूं, लेकिन मुझे भगवा पसंद है... आईफोन 17 के लिए दिखी ऐसी दीवानगी; मारपीट पर उतरे लोग

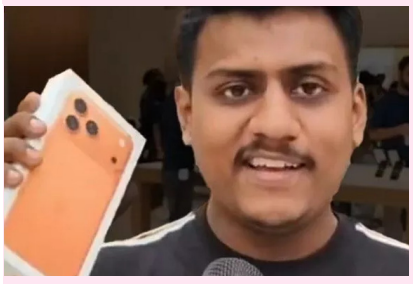

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईफोन का क्रेज वैसे तो पूरी दुनिया के लोगों के सिर चढ़कर बोलता है। लेकिन भारत में इसकी दीवानगी जिस हद तक दिखती है, शायद ही किसी दूसरे देश में हो। शुक्रवार सुबह 8 बजे से भारत में एपल स्टोर पर आईफोन की नई सीरिज 17 के मॉडल्स की बिक्री शुरू हो गई।

लेकिन आईफोन के दीवाने लोग रात से ही लाइनों में लगकर खड़े हो गए। ये नजारा सिर्फ इस साल का ही नहीं है। आईफोन की हर नई सीरीज की लॉन्चिंग के बाद लोग ऐसे ही रात से लाइनों में लगकर इंतजार करते हैं। मुंबई में तो एपल स्टोर के बाहर लोग मारपीट तक पर उतारू हो गए।

इस बार एपल ने अपनी प्रो सीरीज में भगवे रंग के आईफोन को लॉन्च किया है। इस रंग के फोन को खरीदने के बाद एक युवक ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में कहा, मैं सुबह से ही लाइन में लगा हुआ था। बहुत ज्यादा एक्साइटमेंट है। इसे पकड़कर ऐसा लग रहा है कि कुछ जीत लिया है मैंने। मुझे ये ऑरेन्ज कलर बहुत पसंद है।

टैंकों में गुजारी रातें और शहीदों की यादें, 1965 युद्ध के जांबाजों से मिलकर और क्या बोले राजनाथ सिंह?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को 1965 की जंग के जांबाजों से मुलाकात में ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिम्मत को सलाम किया। उन्होंने कहा कि भारत ने पड़ोसियों से मिली मुश्किलों को कभी अपनी किस्मत नहीं माना, बल्कि अपनी तकदीर खुद बनाई। 1965 की जंग हो या हाल का ऑपरेशन सिंदूर, भारत ने हर बार दुश्मनों को करारा जवाब दिया।

राजनाथ सिंह ने जांबाज सिपाहियों की बहादुरी को सराहा और कहा कि उनकी शहादत ने देश की शान को बुलंद रखा। उन्होंने कहा, 1965 में आपने जो जज्बा दिखाया, वो बेमिसाल है। देश की इज्जत की खातिर आपने सब कुछ दांव पर लगा दिया। मैं पूरे देश की तरफ से आपको सलाम करता हूं।

जंग के जांबाजों की यादें- रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 की जंग की कहानियां किताबों में पूरी तरह दर्ज नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा, जब आज नाथियार साहब और बेदी साहब ने अपनी बातें साझा कीं, तो लगा कि किताबों में बहुत कुछ छूट गया। टैंकों में गुजारी रातें, शहीदों की यादें ये सब आप जांबाजों के दिल में जिंदा हैं। उनकी शहादत कभी बेकार नहीं जाएगी।

उन्होंने परम वीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद की बहादुरी को याद करते हुए कहा, अब्दुल हमीद ने दिखाया कि जंग हथियारों से नहीं, दिल के जज्बे से जीती जाती है। उन्होंने दुश्मन के टैंकों की कतार को तबाह कर दिया। 1965 की जंग में दुनिया का सबसे बड़ा टैंक युद्ध हुआ, जिसमें भारत ने अपनी ताकत दिखाई।

कर्नाटक धर्मस्थल विवाद में नया मोड़... SIT को मिली 7 खोपड़ियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के धर्मस्थल विवाद में नया मोड़ सामने आया है। मामले की जांच कर रही एसआईटी को घटनास्थल से 7 खोपड़ियां मिली हैं। इसमें से ज्यादातर मिडिल एज पुरुषों की थीं। बताया जा रहा है कि ये खोपड़ियां लगभग एक साल पुरानी हो सकती हैं।

एसआईटी सूत्रों के मुताबिक, टीम को बुधवार को 5 और गुरुवार को दो खोपड़ियां मिलीं। फोरेंसिक जांच में इनसे जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है। माना ये भी जा रहा है कि ये आत्महत्या के मामले हो सकते हैं।

शिकायतकर्ता का बयान दर्ज- पुलिस और फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के सहयोग से एंटी नक्सल फोर्स के जवानों ने करीब 12 एकड़ के वन क्षेत्र की गहन तलाशी ली। मामले में शिकायतकर्ता सीएन चिनैया को गुरुवार को बयान दर्ज करने के लिए बेल्लथंगड़ी कोर्ट में लाया गया था। 23 सितंबर को उसे सुनवाई के लिए फिर से कोर्ट में पेश होना है।

बता दें कि सीएन चिनैया को झूठी गवाही के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने गुरुवार को याचिकाकर्ताओं से धर्मस्थल में कथित रूप से दफ़नाए गए शवों के बारे में कोई भी स्वतंत्र जानकारी रिकॉर्ड पर रखने को कहा। 26 सितंबर तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी गई है।

महाराष्ट्र के पालघर में केमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट, एक मजदूर की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में एक केमिकल फैक्ट्री में गुरुवार शाम ब्लास्ट हो गया। इस धमाके में एक मजदूर की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए। धमाका लिंबानी साल्ट इंडस्ट्रीज में गुरुवार शाम को हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार शाम करीब 7:30 बजे फैक्ट्री में तब धमाका हो गया, जब धातु और एसिड को मिलाया जा रहा था। इस वक्त वहां 5 मजदूर मौजूद थे। पालघर जिला आपदा प्रबंधन सेल के प्रमुख विवेकानंद कदम ने कहा कि यह अत्यधिक रिएक्टिव प्रोसेस था।

2796 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार केस में अनिल अंबानी का नाम, CBI ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह से जुड़ी कंपनियों एफएल और आरएचएफएल तथा यस बैंक एवं उसके पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राणा कपूर के परिजनों की फर्मों के बीच हुए कथित धोखाधड़ी वाले लेनदेन के सिलसिले में अनिल अंबानी और अन्य के खिलाफ गुरुवार को आरोपपत्र दायर किया। CBI का आरोप है कि ऐसे लेनदेन की वजह से बैंक को 2,796 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

मुंबई की एक विशेष अदालत के समक्ष दायर आरोप पत्र में CBI ने कहा कि अंबानी अनिल धीरूभाई अंबानी (एडीए) समूह के अध्यक्ष और रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के निदेशक हैं, जो एफएल और आरएचएफएल के मलिकाना हक वाली कंपनी है। घटनाक्रम पर एडीए समूह की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

CBI ने अंबानी के अलावा राणा कपूर, बिंदु कपूर, राधा कपूर, रोशनी कपूर, एफएल, आरएचएफएल (अब ऑथम इंवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड), आरएबी एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, ब्लिस हाउस प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन हैबिटेट प्राइवेट लिमिटेड, इमेजिन रेसिडेंस प्राइवेट लिमिटेड और मॉर्गन क्रेडिट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत आरोपपत्र दायर किया है।

CBI ने यस बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी की शिकायत पर 2022 में बैंक के तत्कालीन प्रबंध निदेशक और सीईओ राणा कपूर तथा रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल) के खिलाफ दो मामले दर्ज किए थे।

CBI के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, ÷यस बैंक ने वर्ष 2017 में राणा कपूर की मंजूरी के बाद एफएल के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) और वाणिज्यिक ऋणों में लगभग 2,045 करोड़ रुपये और आरएचएफएल के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर और वाणिज्यिक पत्रों में 2,965 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जबकि केयर रेटिंग्स ने एडीए समूह की वित्तीय कंपनियों को बिगड़ती वित्तीय स्थिति और प्रतिकूल बाजार मूल्यांकन के मद्देनजर ÷निगरानी में÷ रखा था।÷

गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर एक तरह का ऋण साधन है, जो कंपनियां जनता से लंबी अवधि के लिए धन जुटाने के लिए जारी करती हैं।

जैश-ए-मोहम्मद के बाद लश्कर कमांडर का भी कबूलनामा, वीडियो में दिखाया ऑपरेशन सिंदूर का तांडव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था। इस ऑपरेशन ने आतंकिस्तान पर की कमर तोड़ दी। पाकिस्तानी सेना चाहें कुछ भी दावा करे, लेकिन आतंकी संगठनों के कुछ कमांडर खुद इस नुकसान को स्वीकार कर रहे हैं।

दरअसल, जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने पिछले दिनों पाकिस्तान के शिविर के दावे का पर्दाफाश किया। इसके कुछ दिन बाद ही लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकी ने स्वीकार किया है कि मुरीदके स्थित मरकज तैयबा स्थित आतंकी समूह के मुख्यालय को भारतीय भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत नष्ट कर दिया था।

सामने आया वीडियो- सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो तेजी से प्रसारित हो रहा है। सामने आए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लश्कर कमांडर कासिम ने स्वीकार किया कि 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नष्ट किए गए मुरीदके आतंकी शिविर का पुनर्निर्माण फिर से किया जा रहा है। इस बार इसे और बड़ा बनाने की कवायद है। बता दें कि मुरीदके पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखपुरा जिले का एक शहर है। जहां पर आतंकियों ने अपना पनाह खोजा है।

सामने आए वीडियो में कोई शख्स खड़ा है, जो खुद को कासिम बता रहा है। उसने कहा कि मैं मुरीदके में मरकज़ तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जो (भारतीय) हमले में तबाह हो गया था। इसके पुनर्निर्माण का काम चल रहा है। यह मस्जिद पहले से भी बड़ी बनेगी। हालांकि, जागरण इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

पाकिस्तान का दावा भी जानिए- इस बीच पाकिस्तान की ओर से दावा किया गया है कि भारतीय अभियान में नष्ट की गई इमारतों का इस्तेमाल अब आतंकवादी समूह द्वारा नहीं किया जाएगा। हालांकि, अगर अतीत में नजर डालें, तो पाकिस्तान की कथनी और करनी में बहुत अंतर रहा है।

नौकरी-घर से निकाला, खाने में दिया जहर... अमेरिका में भारतीय इंजीनियर की हत्या से पहले क्या-क्या हुआ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में भारतीय इंजीनियर की हत्या का मामला अब विवादों में घिरता जा रहा है। भारतीय टेक इंजीनियर मोहम्मद निजामुद्दीन की अमेरिकी पुलिस ने गोली मारकर उस समय हत्या कर दी, जब उसने रूममेट पर चाकू से हमला कर दिया था। शुरुआत में यह मामला केवल क्राइम का लग रहा था, लेकिन अब परत दर परत कहानी खुलकर सामने आ रही है।

मोहम्मद निजामुद्दीन ने खुद को नस्लीय नफरत का शिकार बताया था। उसने कहा था कि उसे नौकरी से गलत तरीके से निकाल दिया गया और जांच करने वाले अधिकारी ने भी उसे प्रताड़ित किया। मोहम्मद निजामुद्दीन ने लिंक्डइन पर अपना दर्द बयां किया था और लोगों से अपने लिए न्याय की मांग की थी।

कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री ली थी- मोहम्मद निजामुद्दीन तेलंगाना के महबूबनगर का रहने वाला था। उसने फ्लोरिडा के एक कॉलेज से कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री ली थी और कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में एक टेक फर्म में काम करता था। उसके परिवार का कहना है कि वह बेहद शांत और धार्मिक स्वभाव वाला व्यक्ति था। निजामुद्दीन ने एक लिंक्डइन पोस्ट में लिखा था कि वह नस्लीय नफरत, भेदभाव, नस्लीय प्रताड़ना, शोषण, वेतन धोखाधड़ी, गलत तरीके से नौकरी से निकाले जाने का शिकार हुआ है।

उसने लिखा, मैंने अपनी सभी मुश्किलों के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया है। अब बहुत हो गया। श्वेत वर्चस्व और नस्लवादी अमेरिकी सोच को खत्म होना चाहिए।

सिटिजनशिप टेस्ट मुश्किल बनाएगा ट्रंप प्रशासन, कठिन होगा अमेरिकी नागरिकता हासिल करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी नागरिकता हासिल करना अब कठिन होगा। ट्रंप प्रशासन ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी सरकार सिटिजनशिप टेस्ट को फिर मुश्किल बनाएगी, जिसमें अधिक जटिल प्रश्न होंगे।

अमेरिकी नागरिक बनने के लिए यह टेस्ट देना जरूरी है। यह कठिन परीक्षा उन लोगों को देनी होगी जो 20 अक्टूबर या उसके बाद आवेदन करेंगे। आवेदकों के पास परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए दो अवसर होंगे, उसके बाद उन्हें आवेदन प्रक्रिया पुनः शुरू करनी होगी।

नए टेस्ट के तहत आवेदकों को करना होगा यह काम - सीआइएस के प्रवक्ता मैथ्यू ट्रैगेसर ने कहा कि बदलाव के होने वाली परीक्षा सुनिश्चित करेगी कि नए नागरिक अमेरिका की महानता में योगदान दें। नए टेस्ट के तहत आवेदकों को 10 में से छह प्रश्नों के स्थान पर अब 20 में से 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने होंगे। सरल प्रश्न कम कर दिए गए हैं।

अपने पहले कार्यकाल के अंत में, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेस्ट में बदलाव को लागू किया था। नई व्यवस्था एक दिसंबर, 2020 से 30 अप्रैल, 2021 तक लागू थी, जिसके बाद बाइडन प्रशासन ने इसे समाप्त कर परीक्षा को सरल बना दिया।

नहीं बिकेगा ताज होटल! रतन टाटा की कंपनी ने बता दिया सच; कैसे एक अपमान से शुरू हुई थी कहानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में स्थित ताज होटल सिर्फ देश की आन-बान-शान ही नहीं है, बल्कि ये टाटा परिवार की वो विरासत है, जिसने अपने अंदर एक लंबा इतिहास समेटा हुआ है। इस होटल को टाटा ग्रुप की होटल चेन इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड यानी आईएचसीएल मैनेज करती है।

आईएचसीएल के सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका, मिडिल ईस्ट और यूके समेत दुनिया के कई देशों में होटल्स का संचालन करती है। पहले खबरें आई थीं कि अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित आईएचसीएल का होटल बिकने वाला है, लेकिन अब इन अटकलों पर विराम लग गया है। आईएचसीएल ने इस दावे को खारिज कर दिया है और इसे महज अटकलबाजी बताया है।

दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया था कि अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में सेंट्रल पार्क के सामने स्थित ताज का पियरे होटल लगभग 2 बिलियन डॉलर में बिक सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि इसके लिए सऊदी अरब का एक प्रमुख परिवार कुछ फाइनेंस दे सकता है। लेकिन इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने अब इस दावे को खारिज कर दिया है।

फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, आईएचसीएल ने कहा है कि उनके पास न्यूयॉर्क के पियरे होटल का मालिकाना हक नहीं है।

ट्रांसजेंडर हैं फ्रांस के राष्ट्रपति की वाइफ? आरोप लगने के बाद बोले इमैनुएल मैक्रों- जल्द सबूत दूंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की पत्नी ब्रिजिट को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रह है। अमेरिका की अति-दक्षिणपंथी इन्फ्लुएंसर और राजनीतिक टिप्पणीकार कैंडेस ओवेन्स ने यह आरोप लगाया था कि मैक्रों की पत्नी एक महिला नहीं, बल्कि ट्रांसजेंडर हैं।

इन आरोपों के बाद फ्रांस की राजनीति में हचलल मच गई थी। हालांकि मैक्रों ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था और ओवेन्स के खिलाफ जुलाई में मानहानि का मुकदमा किया था। अब मैक्रों और उनकी पत्नी ने तय किया है कि वह ब्रिजिट के महिला होने का सबूत भी पेश करेंगे।

इन आरोपों की शुरुआत 2021 से हुई थी। फ्रांसीसी ब्लॉगर अमांडाइन रॉय और नाटाशा रे के यूट्यूब वीडियो में सबसे पहले ये आरोप लगाए गए थे कि फ्रांस की फर्स्ट लेडी ट्रांसजेंडर महिला हैं। हालांकि 2024 में दोनों के खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे में मैक्रों को जीत मिली थी। 2025 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला देते हुए एक अपील दायर की गई और फिर फैसला पलट गया।

बाद में इस मुद्दे को कैंडेस ओवेन्स ने लपक लिया। ओवेन्स के इंस्टाग्राम पर 6 मिलियन से अधिक फॉलोअर हैं। ओवेन्स ने यहां तक कह दिया कि फ्रांस की फर्स्ट लेडी जन्म से पुरुष थीं और इस आरोप को साबित करने के लिए वह अपनी पूरी प्रोफेशनल प्रतिष्ठा दांव पर लगा देंगी। मैक्रों ने डेलावेयर कोर्ट में ओवेन्स के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

ब्रिटेन-फ्रांस रिटर्न ट्रीटी का पहला शिकार बना भारतीय, वापस भेजा गया पेरिस; क्या है ये नई माइग्रेशन पॉलिसी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ हाल में ही एक रिटर्न ट्रीटी हुई है। इस ट्रीटी के तहत ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ पहला निर्वासन पूरा कर लिया है। इस संबंध में गुरुवार को ब्रिटेन की गृहमंत्री शबाना महमूद ने जानकारी देते हुए इसे सीमा सुरक्षा की दिशा में एक अहम और पहला कदम करार दिया।

शबाना महमूद ने कहा कि यह संदेश उन लोगों के लिए स्पष्ट है, दो छोटी सी नौकाओं से इंग्लिश चैनलों को पार कर के ब्रिटेन में अवैध रूप से घुसने की कोशिश करते हैं।

जानिए क्या बोलीं शबाना महमूद- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में शबाना महमूद ने लिखा कि यह बॉर्डर सुरक्षित करने की दिशा में एक खास शुरुआत है। यह उन लोगों के लिए एक अहम संदेश है, जो छोटी नावों के सहारे अवैध तरीके से ब्रिटेन पहुंचते हैं। अगर आप किसी भी अवैध तरीके से ब्रिटिश में घुसने की कोशिश करेंगे तो हन आपको हटाने की कोशिश करेंगे।

इतना ही नहीं गृहमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार अदालतों में होने वाले आखिरी समय के बेबुनियाद और बाधा डालने वाले प्रयासों को चुनौती देती रहेगी। इसके साथ उन्होंने कहा कि ब्रिटेन शरणार्थियों को शरण देना जारी रखेगा, लेकिन केवल सुरक्षित, वैध और व्यवस्थित रास्तों से आए लोगों की। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुए वन-इन, वन आउट समझौते के तहत इस ट्रीटी के तहत निर्वासित होने वाला पहला मामला भारतीय से जुड़ा आया है।

सेना के सुरक्षा कवच में बीते 9 दिन, Gen Z आंदोलन के बाद दिया था इस्तीफा; अब कहां हैं केपी ओली?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में अब अंतरिम सरकार का गठन किया जा चुका है। सुशीला कार्की अंतरिम सरकार की मुखिया बनी हैं। नेपाल में पिछले दिनों Gen-Z आंदोलन के बाद हालात बिगड़े, जिसके बाद केपी ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

नेपाल के अपदस्थ पीएम केपी ओली को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है। केपी ओली अब सैन्य सुरक्षा से हटकर एक निजी आवास में रहने लगे हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने इस बात की जानकारी सूत्रों के हवाले से दी है।

9 दिन सेना की सुरक्षा कवच में रहे ओली- बताया जा रहा है कि अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली ने नौ दिन सैन्य सुरक्षा कवच में बिताए। इसके बाद उन्हें अब उनके निजी आवास पर छोड़ दिया गया है। ओली ने 9 सितंबर को जेनजी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद वह तुरंत सेना के एक बैरक में चले गए थे। ऐसा माना जा रहा है कि यह बैरक काठमांडू के उत्तर में शिवपुरी वन क्षेत्र में है।

नेपाल सेना ने पुष्टि करते हुए बताया कि नौ दिनों तक सेना की सुरक्षा में रहने के बाद नेपाल कम्यूनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष और नेपाल के अपदस्थ पीएम केपी शर्मा ओली को एक निजी स्थान पर स्थांतरित कर दिया गया है। हालांकि, केपी शर्मा ओली के वर्तमान पते के बारे में किसी के पास जानकारी नहीं है। उनके इस नए पते का आधिकारिक तौर पर अभी खुलासा नहीं किया गया है।

सुबह उठो, वोटर डिलीट करो और सो जाओ..., ECI पर राहुल गांधी ने फिर किया वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा है। उन्होंने वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा, सुबह 4 बजे उठो, 37 सेकंड में दो वोटर हटाओ, फिर सो जाओ।

दूसरी तरफ, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि उनकी नाकाम नेतृत्व की वजह से कांग्रेस बार-बार हार रही है और देश की जनता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है।

रिजिजू ने राहुल पर तंज कसते हुए कहा कि वह अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आरोप लगा रहे हैं।

गरीब, किसान और आम लोग मोदी को अपना नेता मानते हैं। राहुल गांधी जैसे लोग उस इंजन को रोकना चाहते हैं जो भारत को आगे ले जा रहा है।

राहुल का सबूत के बाद बीजेपी का पलटवार- राहुल गांधी ने गुरुवार को एक प्रेजेंटेशन में दावा किया कि उनके पास वोटर लिस्ट से नाम हटाने की 100 फीसदी पक्की सबूत हैं। उन्होंने 37 सेकंड का एक वीडियो भी शेयर किया।

इसमें दिखाया गया कि 19 दिसंबर 2022 को सुबह 4 बजे, 36 सेकंड में दो वोटरों के नाम हटाए गए। राहुल ने तंज कसा, चुनाव का चौकीदार जागता रहा, चोरी देखता रहा और चोरों की हिफाजत करता रहा।

इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 90 फीसदी चुनाव हार चुकी है। उन्होंने कहा, राहुल की हताशा बढ़ती जा रही है। गलत और बेबुनियाद आरोप लगाना उनकी आदत बन गई है। राहुल ने कर्नाटक के आलंद में वोटर लिस्ट से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में घर जैसा..., सैम पित्रोदा ने फोड़ा एक और बम; उठा सियासी बवंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के ताजा बयान ने एक बार फिर से विवाद खड़ा कर दिया है। पित्रोदा ने इस बार केंद्र सरकार को पड़ोसी देशों के साथ बातचीत को प्राथमिकता देने की नसीहत दी थी। इस दौरान उन्होंने कह दिया कि वह पाकिस्तान गए हैं और उन्हें वहां घर जैसा लगता है।

उनके इस बयान को भाजपा ने आड़े हाथों ले लिया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि राहुल गांधी के खास आदमी और कांग्रेस ओवरसीज के प्रमुख सैम पित्रोदा कहते हैं कि उन्हें पाकिस्तान में घर जैसा लगा। कोई हैरानी नहीं कि 26/11 के बाद भी यूपीए ने पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। पाकिस्तान का पसंदीदा, कांग्रेस का चहेता!

पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत करने की नसीहत- दरअसल सैम पित्रोदा ने केंद्र सरकार को भारत के पड़ोसी देशों, खासकर पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत करने की नसीहत दी है। इस दौरान उन्होंने कहा, मेरी राय में हमारी विदेश नीति में सबसे पहले आपको अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। क्या हम सच में अपने पड़ोसियों के साथ संबंध बेहतर कर सकते हैं?

मुझे कम दिए, 2 गोलगप्पों के लिए सड़क पर महिला का हाईवोल्टेज ड्रामा, काटा इतना उत्पात कि थम गया ट्रैफिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा से एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने सोशल मीडिया पर जमकर चर्चाएं बटोरी हैं। इतना ही नहीं इसकी वजह से पुलिस और राहगीरों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

शहर के सुरसागर झील क्षेत्र के पास एक महिला ने सड़क जाम कर दी, क्योंकि उसके रेहड़ी वाले से कहासुनी हो गई क्योंकि 2 गोलगप्पे कम मिले थे। महिला को 20 रुपये में 6 की जगह केवल 4 पानी पूरी दिए जाने पर उसने सड़क पर विरोध प्रदर्शन किया।

महिला के अनुसार, गोलगप्पे वाले ने उसे 20 रुपये में छह पानीपुरी देने के बजाय चार पानीपुरी दीं। इससे नाराज होकर महिला ने सड़क के बीचोंबीच धरना दे दिया और तब तक वहां से हटने से इनकार कर दिया, जब तक कि उसकी दो और पूड़ियां की मांग पूरी नहीं हो जाती।

जब वाहन चालक सावधानी से उसके आसपास से निकल रहे थे, तो दर्शकों ने इस असामान्य प्रदर्शन को फिल्माया। जल्द ही भीड़ इकट्ठा हो गई और अपने फोन पर इस गतिरोध को रिकॉर्ड करने लगी। जब पुलिस जाम खुलवाने पहुंची, तो विरोध प्रदर्शन और भी नाटकीय हो गया। महिला फूट-फूट कर रोने लगी और जिद करने लगी कि पुलिस निष्पक्ष व्यवहार लागू करे- 20 रुपये में छह पूरी, कम से कम 20 रुपये में।

खाना पहुंचने में हुई देरी, तो जोमैटो डिलीवरी एजेंट की जमकर पिटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों ऑनलाइन खाना मंगाना एक आम बात है। बड़े-बड़े शहरों में लोग ये सर्विस काफी पसंद करते हैं। इस बीच बेंगलुरु से हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है।

दरअसल, रविवार को बेंगलुरु में देर से ऑर्डर देने पहुंचने पर दो लोगों ने एक जोमैटो डिलीवरी एजेंट की पिटाई कर दी। पूरी घटना शोभा थिएटर के पास हुईष यहां पर खाना लेकर देर से पहुंचने के कारण जोमैटो डिलीवरी बॉय को मार खाना पड़ा।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरी घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो इस समय सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे एक व्यक्ति व्यक्ति ने पास में पड़े एक प्लास्टिक कंटेनर को उठाकर डिलीवरी एजेंट के सिर पर दो बार मारा। फिर एक अन्य व्यक्ति ने उस पर कुर्सी से वार किया। इसके बाद पुलिस ने मामले में हस्तक्षेप किया और दोनों लोगों का बयान दर्ज किया गया।

गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी साल के शुरुआत में एक महिला ने डिनर ऑर्डर करने की कोशिश में लगातार सर्विस फेल होने पर इस फूड डिलीवरी दिग्गज की आलोचना की थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लिंक्डइन में एक पोस्ट में उन्होंने जोमैटो के बार में लिखा था कि आज के ऐप-चालित युग में, एआई टूल्स, रीयल-टाइम ट्रैकिंग और चैट सपोर्ट की मौजूदगी के बावजूद, ग्राहक अनुभव और सेवा जवाबदेही को लेकर चिंता जताई थी। इस पोस्ट का कंपनी ने संज्ञान लिया था और समाधान भी किया था।

सीवर की सफाई के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत, परिजनों ने शव लेने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के थूथुकुडी जिले के पुराने बंदरगाह पर बुधवार को एक बजरे के अंदर गिट्टी के टैंक की सफाई करते समय दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। जांच कर्ताओं के मुताबिक, जहाज के निचले हिस्से में जमा जहरीली गैस की चपेट में आने से तीनों की मौत हो गई।

मजदूरों की पहचान राजस्थान के संदीप कुमार, थूथुकुडी जिले के पुन्नकयाल के जेनिसन थॉमस और तिरुनेलवेली जिले के उवारी के सिरोन जॉर्ज के रूप में हुई है। मुक्ता इंफ्रा के स्वामित्व वाला यह बजरा कथित तौर पर श्रीलंका और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह को आपूर्ति के लिए निर्माण सामग्री लोड करने के लिए पुराने बंदरगाह पर रुका था।

टैंक में जहरीली गैस से हुई मजदूरों की मौत- अधिकारियों ने बताया कि रुके हुए पानी के कारण टैंक में जहरीली गैस जमा हो गई थी। हालांकि गैसों को फैलने देने के लिए उस हिस्से को पहले ही खोल दिया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि तीनों लोग बिना उचित सावधानी बरते ही अंदर घुस गए। जांचकर्ताओं ने पुष्टि की है कि काम सौंपे जाने से पहले कर्मचारियों को कोई सुरक्षा उपकरण नहीं दिए गए थे।

बिना सुरक्षा उपकरण पहने अंदर गए मजदूर- एक पुलिस अधिकारी ने एनडीटीवी को बताया कि मजदूरों ने कोई सुरक्षा उपकरण नहीं पहने थे और न ही उन्हें दिए गए थे। हम जांच कर रहे हैं। जो पहला व्यक्ति अंदर आया वह चुप हो गया, फिर दूसरा उसके लिए अंदर गया, और जब उसकी आवाज नहीं आई, तो तीसरा व्यक्ति उसे ढूंढ़ने अंदर गया। सभी की मौत हो गई।

मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए थूथुकुडी सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। केंद्रीय पुलिस स्टेशन के उपाधीक्षक मदन के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने जांच शुरू कर दी है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बानू मुश्ताक ही करेंगी मैसूर दशहरा समारोह का उद्घाटन, SC ने खारिज की विरोध वाली याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें चामुंडेश्वरी मंदिर में मैसूर दशहरा समारोह के उद्घाटन के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के लिए कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी।

दरअसल, यह उत्सव 22 सितंबर को शुरू होने जा रहा है। आज 19 सितंबर की सुनवाई के दौरान न्यायामूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने अपील खारिज करते हुए याचिकाकर्ता के वकील से सवाल किया क क्या इस देश की प्रस्तावना क्या है। और राज्य ए, बी और सी में कैसे अंतर कर सकता है।

बता दें कि शीर्ष न्यायालय में दायर की गई अपील में 15 सितंबर के कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मुश्ताक को राज्य के निमंत्रण को करकरार रखा गया था।

याचिकाकर्ता एचएस गौरव के वकील ने न्यायालय को बताया कि उन्हें उद्घाटन पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि बताया। लेकिन मंदिर परिसर के अंदर होने वाले कार्यक्रमों पर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष गतिविधि नहीं है। यह एक आध्यात्मिक या धार्मिक कृत्य रंग ले लेती है।

इसपर पीठ ने कहा कि यह कोई निजी कार्यक्रम को नहीं है। राज्य इसका आयोजन कर रहा है। राज्य ए, बी और सी में कैसे अंतर कर सकता है। इसके साथ ही अदालत ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ताओं में से एक ने डॉ. निसार अहमद के साथ मंच साझा किया था, जिन्होंने साल 2017 में उत्सव का उद्घाटन किया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थदशी

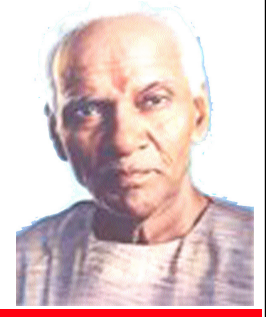

संपादकीय

दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं

संवैधानिक अधिकारों और 2016 के दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के बावजूद सामाजिक पूर्वाग्रह, ढांचागत बाधाएँ और मीडिया में विकृत छवि उनकी गरिमा को चोट पहुँचाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा है कि उनकी समानता और सम्मान से समझौता नहीं हो सकता। अब समय आ गया है कि समाज सहानुभूति से आगे बढ़कर दिव्यांगजन को अधिकार और अवसर दे। तकनीक, जागरूकता, कानून का सख्त क्रियान्वयन और सक्रिय भागीदारी ही समावेशी भारत की कुंजी हैं।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता और समावेशिता मानी जाती है। संविधान ने हर नागरिक को समान अधिकार, गरिमा और अवसर की गारंटी दी है। परन्तु जब हम समाज के उस वर्ग की ओर देखते हैं, जिन्हें दिव्यांगजन कहा जाता है, तो यह गारंटी अक्सर खोखली दिखाई देती है। देश की जनगणना और हालिया सर्वेक्षण इस बात की पुष्टि करते हैं कि करोड़ों दिव्यांगजन आज भी शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, यातायात, मीडिया और सार्वजनिक जीवन में हाशिए पर हैं। संवैधानिक प्रावधान और कानून मौजूद हैं, परन्तु जमीनी स्तर पर उनकी स्थिति इस सच्चाई को बयान करती है कि वे अब भी अदृश्य नागरिकों की तरह जीवन जीने को विवश हैं।

समस्या केवल भौतिक अवरोधों की नहीं है, बल्कि मानसिकता और दृष्टिकोण की भी है। समाज का बड़ा हिस्सा अब भी दिव्यांगता को दया, बोझ या त्रासदी की दृष्टि से देखता है। यह सोच दिव्यांगजन की क्षमताओं और संभावनाओं को नकार देती है। उन्हें बराबरी का अवसर देने के बजाय या तो दया का पात्र बना दिया जाता है या हंसी का विषय। भारतीय सिनेमा और टेलीविज़न ने भी लंबे समय तक इन्हीं रूढ़ियों को दोहराया है। हालांकि अब धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, परन्तु यह बदलाव बहुत धीमा और सीमित है।

भारतीय न्यायपालिका ने कई बार दिव्यांगजन की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या हास्य के नाम पर किसी भी समुदाय की गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता। हाल ही में दिए गए फ़ैसलों में मीडिया और मनोरंजन उद्योग को चेताया गया कि वे दिव्यांगजन को मजाक या दया का पात्र न बनाएं, बल्कि उनके संवैधानिक अधिकारों का सम्मान करें। इसके बावजूद समाज में गहरे जमे पूर्वाग्रह अब भी मौजूद हैं।

वास्तविक चुनौती केवल कानूनी संरक्षण से पूरी नहीं होती। समस्या यह है कि कानून और नीतियाँ लागू करने वाली संस्थाओं में पर्याप्त संवेदनशीलता और दृढ़ता का अभाव है। उदाहरण के लिए, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 ने शिक्षा, रोज़गार और सार्वजनिक जीवन में उनके लिए आरक्षण और सुविधाओं की गारंटी दी। परन्तु स्कूलों और कॉलेजों की इमारतें अब भी सीढ़ियों से भरी हैं, सरकारी दफ्तरों में व्हीलचेयर के लिए जगह नहीं है, और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर अब भी दृष्टिबाधित या श्रवणबाधित लोगों के लिए आवश्यक विकल्प उपलब्ध नहीं कराए जाते।

दिव्यांगजन की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उन्हें 'सक्षम नागरिक' के बजाय 'निर्भर नागरिक' मान लिया गया है। यह सोच उन्हें समाज की मुख्यधारा से दूर कर देती है। जबकि सच्चाई यह है कि अवसर और सुविधा मिलने पर दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता साबित कर सकते हैं। खेल जगत में पैरा ओलंपिक खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ इसका प्रमाण हैं।

नारायण गुरु

नारायण गुरु भारत के महान संत एवं समाज सुधारक थे। कन्याकुमारी में मारुतवन पहाड़ों की एक गुफा में उन्होंने तपस्या की थी। गौतम बुद्ध को गया में पीपल के पेड़ के नीचे बोधि की प्राप्ति हुई थी। नारायण गुरु को उस परम की प्राप्ति गुफा में हुई। समाज सुधारक नारायण गुरु द्वारा स्थापित शिवगिरि मठ पहाड़ी की चोटी पर स्थित है और उनकी समाधि केरल में सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है। नारायण गुरु को श्री नारायण गुरु के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म एझावा जाति के परिवार में हुआ था। केरल के जाति-ग्रस्त समाज में उन्हें बहुत अन्याय का सामना करना पड़ा। उन्होंने केरल में सुधार आंदोलन का नेतृत्व किया, जातिवाद को खारिज कर दिया और आध्यात्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक समानता के नए मूल्यों को बढ़ावा दिया। नारायण गुरु ने मंदिरों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना के माध्यम से अपने स्वयं के प्रयासों से दलितों के आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया।

जन्म

श्री नारायण गुरु का जन्म केरल के तिरुअनंतपुरम के उत्तर में 12 किलोमीटर दूर एक छोटे से गाँव में सन 1855 में हुआ था। स्वयं पिछड़ी जाति के होने के कारण वे इस समुदाय के दुःख दर्द को समझते थे। इनका घर का नाम नानु था। ये बचपन से ही बहुत नटखट थे। उनके पिता मदन असन एक किसान थे, वे प्रसिद्ध आचार्य (गुरुकुल के) और संस्कृत के विद्वान थे, आयुर्वेद और ज्योतिष के ज्ञाता भी थे। श्री नारायण गुरु की मां एक सरल महिला थीं। अपने माता-पिता की चार संतानों में एकमात्र बालक थे नारायण अथवा नानू'।

शिक्षा

नानू एक आम बालक की तरह पले-बढ़े। 5 वर्ष की आयु में उन्हें गांव के स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के लिए भर्ती किया गया। वहां उन्होंने संस्कृत भी पढ़ी। प्राथमिक शिक्षा के बाद नानू ने घर पर रहकर खेती और घरेलू कामकाज में हाथ बंटाया। वे प्रतिदिन संस्कृत काव्य पाठ करते थे। वे मंदिर में पूजा और एकांत में ध्यान भी करते थे। 14 वर्ष की आयु में वे नानू भक्त' के नाम से प्रसिद्ध हो गए। 15 वर्ष की आयु में माता के देहान्त के बाद उनके मामा कृष्ण वेदयार (आयुर्वेदाचार्य) ने उनकी देखभाल की। कृष्ण वेदयार को अपने भांजे की अप्रतिम प्रतिभा का जल्दी ही पता लग गया। अतः नानू को उच्च शिक्षा के लिए करूनगपल्ली में एक योग्य अध्यापक रमण पिल्लै असन के पास भेज दिया। रमण पिल्लै एक सवर्ण हिन्दू थे। चूंकि नानू जन्म से अछूत थे, अतः उन्हें अपने गुरु के घर के बाहर रहकर अध्ययन करना पड़ा। नानू एक प्रतिभाशाली विद्यार्थी सिद्ध हुए और उन्होंने अपने सभी साथियों से आगे निकलकर शिक्षकों के सामने संस्कृत में अपनी विद्वता सिद्ध कर दी। संस्कृत में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के पश्चात् 1881 में नानू अत्यधिक बीमार पड़ गये और उन्हें वापस घर लौटना पड़ा।

संघर्ष का दौर

रोगमुक्त होने के बाद उन्होंने अपने पैतृक गांव में और आस-पास के क्षेत्रों में छोटे-छोटे विद्यालय खोलने का निर्णय लिया। यहीं से उन्होंने स्थानीय समाज के बालकों, विशेषकर पिछड़े वर्ग के बालकों में ज्ञान और शिक्षा का प्रसार आरम्भ किया। वस्तुतः यह दौर उनके जीवन में कड़े मानसिक संघर्ष का दौर रहा। एक ओर तो उन्हें परिवार के भरण-पोषण की चिंता करनी थी तो दूसरी ओर उनके भीतर आध्यात्मिक उन्नयन और यथार्थ के अनुभव को पाने की तीव्र उत्कंठा हिलोरें मार रही थी। उनके सब कामों पर उन्मुक्त आध्यात्मिक जीवन की तीव्र इच्छा की झलक दिखने लगी थी। अतः चिंतित रिश्तेदारों ने उनकी सोच में बदलाव की दृष्टि से उनके विवाह का निश्चय किया। 28 वर्ष की आयु में श्री नारायण गुरु की इच्छा के विरुद्ध जबर्दस्ती उनका विवाह कर दिया गया।

गृह त्याग

घर का त्याग करके नानू आध्यात्मिक ज्ञान की खोज में निकल गए। उन्होंने योग शिक्षा ली, मारूतवमलै की गुफाओंमें साधना की, कठोर अनुशासन का व्रत साधा। व्यक्तित्व के विकास और गुण-सम्पन्नता हेतु कर्म और गति का दौर शुरू हुआ। काफी समय बाद श्री नारायण गुरु लोगों के बीच लौटे। वे गांव-गांव घूमे, जो भोजन मिला, उसे खाया; समाज के अंतिम व्यक्ति के साथ रहे, पिछड़े वर्ग से घुले-मिले। सभी लोग उनसे प्रभावित हुए, उनके प्रति श्रद्धा जगी। समाज कार्य में सबसे पहले श्री नारायण गुरु ने तिरुअनंतपुरम से 20 कि.मी. दक्षिण में आरूविपुरम में नेय्यार नदी के तट पर 1888 में शिव मंदिर की स्थापना की और इस मान्यता को ठुकरा दिया कि केवल एक ब्राह्मण ही पुजारी हो सकता है। हिन्दू मंदिरों में जिनका प्रवेश वर्जित था, वे इस मंदिर में निर्बाध आ सकते थे।

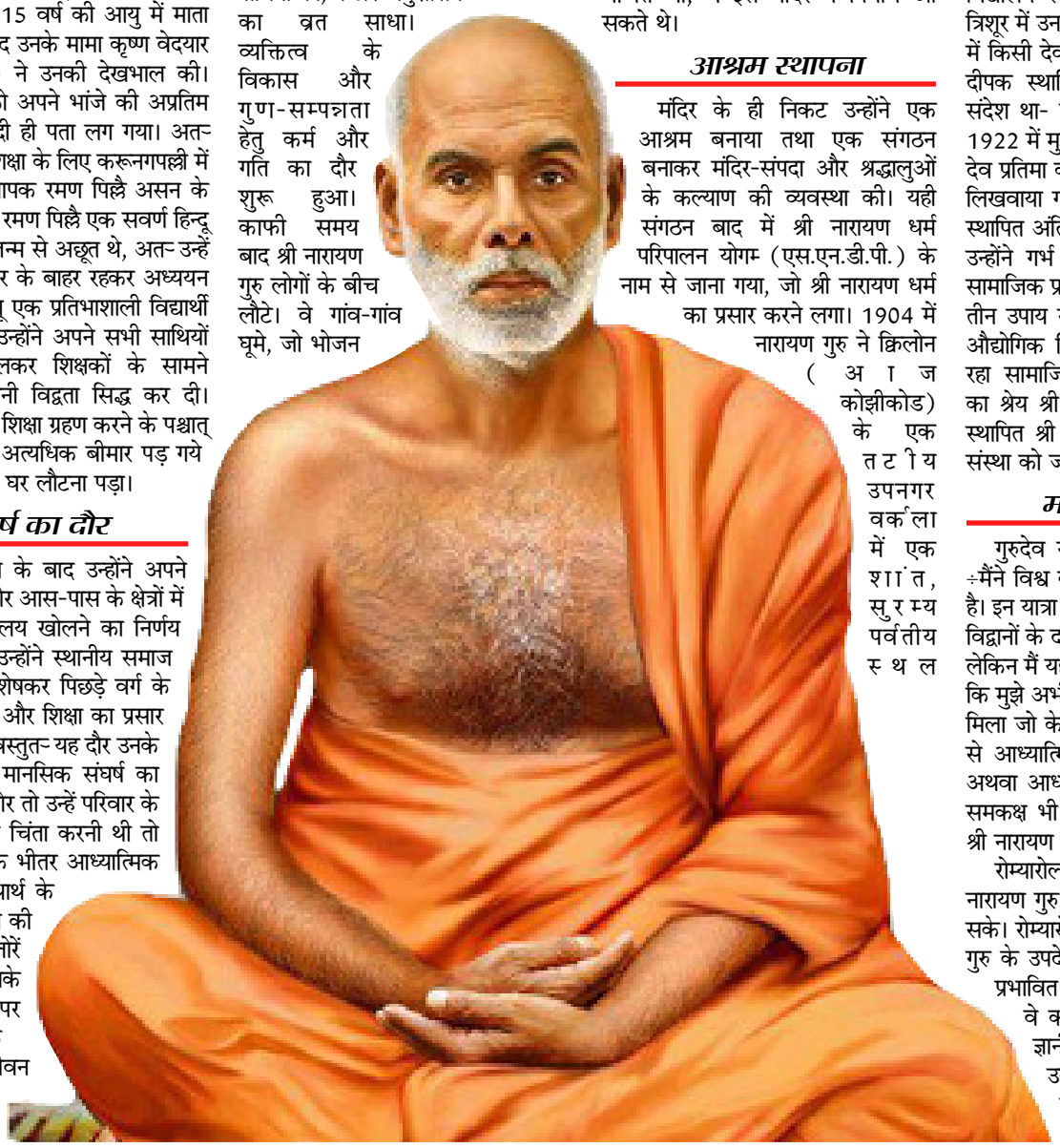

आश्रम स्थापना

मंदिर के ही निकट उन्होंने एक आश्रम बनाया तथा एक संगठन बनाकर मंदिर-संपदा और श्रद्धालुओं के कल्याण की व्यवस्था की। यही संगठन बाद में श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (एस.एन.डी.पी.) के नाम से जाना गया, जो श्री नारायण धर्म का प्रसार करने लगा। 1904 में नारायण गुरु ने क्विलोन (आज कोझीकोड) के एक तटीय उपनगर वर्कला में एक शांत, सुरम्य पर्वतीय स्थल शिवगिरि में अपनी सार्वजनिक गतिविधियां केन्द्रित कीं। 1928 में अपनी महासमाधि तक श्री गुरु ने यहीं रहकर साधना की थी। शिवगिरि में नारायण गुरु ने दो मंदिरों और एक मठ की स्थापना की। शिवगिरि आकर ही रबींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी ने श्री नारायण गुरु के दर्शन किए थे।

श्री गुरु ने अलवाय में 1913 में अद्वैत दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए एक अद्वैत आश्रम की स्थापना की। यहां एक संस्कृत विद्यालय स्थापित किया गया। 1920 में त्रिशूर में उनके द्वारा स्थापित कारामुक्कू मंदिर में किसी देवता की प्रतिमा नहीं बल्कि एक दीपक स्थापित किया गया था, जिसका संदेश था- चहुंओर प्रकाश ही प्रकाश हो। 1922 में मुरुक्कुमपुझा में बनाए गए मंदिर में देव प्रतिमा की जगह सत्य, धर्म, प्रेम, दया' लिखवाया गया था। 1924 में उनके द्वारा स्थापित अंतिम मंदिर कलवनकोड मंदिर में उन्होंने गर्भ गृह में एक दर्पण लगवाया। सामाजिक प्रगति के लिए श्री नारायण गुरु ने तीन उपाय सुझाए थे- संगठन, शिक्षा और औद्योगिक विकास। आज केरल में दिख रहा सामाजिक-आर्थिक-शैक्षणिक विकास का श्रेय श्री नारायण गुरु और उनके द्वारा स्थापित श्री नारायण धर्म परिपालन योगम् संस्था को जाता है।

महापुरुष कथन

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने लिखा है- ÷मैंने विश्व के विभिन्न स्थानों की यात्रा की है। इन यात्रा के दौरान मुझे अनेक संतों और विद्वानों के दर्शन करने का अवसर मिला है। लेकिन मैं यह स्पष्ट रूप से स्वीकार करता हूँ कि मुझे अभी तक कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जो केरल के स्वामी श्री नारायण गुरु से आध्यात्मिक रूप से अधिक महान हो अथवा आध्यात्मिक उपलब्धियों में उन के समकक्ष भी हो। गुरुदेव टैगोर और स्वामी श्री नारायण गुरु की भेंट 1922 में हुई थी।

रोम्यारोला जब भारत आए तो वे भी नारायण गुरु से प्रभावित हुए बिना नहीं रह सके। रोम्यारोलां ने लिखा है- ÷श्री नारायण गुरु के उपदेश आचार्य शंकर के दर्शन से प्रभावित थे। यह कहा जा सकता है कि वे कर्मशील, धार्मिक तथा बौद्धिक ज्ञानी थे। उन्हें 'स्व' का ज्ञान था। उन्हें सामाजिक आवश्यकता की जानकारी और लोगों की नब्ज की पहचान थी।

अचानक क्यों गिरे पेटीएम के शेयर? एक महीने के अंदर सबसे बड़ी गिरावट

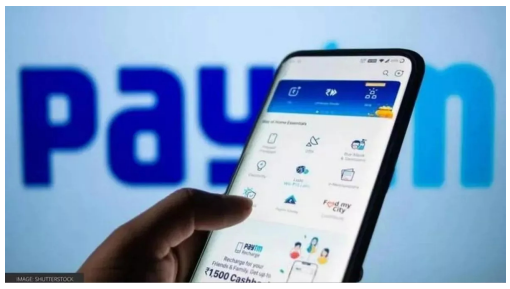

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेटीएम के शेयरों में एक बार फिर से भारी गिरावट आ गई। 19 सितंबर को कंपनी के स्टॉक 6 फीसदी तक टूट गए। हालांकि, क्लोजिंग 4.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1177.20 रुपये पर हुई। पेटीएम के शेयरों में गिरावट क्यों आई, इसकी कोई वजह सामने नहीं आई है। लेकिन, 4 फीसदी के गिरावट के साथ शेयरों का बंद होना किसी बड़े इवेंट की ओर इशारा करता है।

पेटीएम के शेयर 19 सितंबर को 1225 रुपये के स्तर पर खुले और इन्होंने 1234 रुपये का हाई लगाया, फिर टूटकर 1163.90 रुपये पर पहुंच गए। हैरानी की बात है कि पेटीएम के शेयरों में गिरावट ऐसे समय पर हुई जब दिग्गज ब्रोकरेज फर्म, बैंक ऑफ अमेरिका ने कंपनी के शेयरों पर टारगेट प्राइस बढ़ाया है।

आमतौर पर किसी भी शेयर में गिरावट किसी खास इवेंट या बुरी खबर के चलते आती है। ऐसे में पेटीएम के शेयरों में भी मंदी को लेकर इस तरह की अटकलें लगाई जाने लगी है। ऐसे में हो सकता है कि कंपनी से जुड़े किसी अहम डेवलपमेंट से पहले यह बिकवाली हुई हो या किसी बड़े संस्थागत निवेशक ने बिकवाली की है।

इसके अलावा, पेटीएम के शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग भी गिरावट की एक वजह हो सकती है। पेटीएम के शेयरों में ट्रेडिंग वॉल्युम आज 4.85 मिलियन रहा यानी 4 करोड़ 85 लाख शेयर ट्रेड हुए। 19 सितंबर को आई इस गिरावट ने 19 अगस्त के लो को तोड़ दिया है। दरअसल, पिछले महीने 19 अगस्त को पेटीएम के शेयर 1167 रुपये के स्तर पर चले गए थे और आज 1163.90 रुपये का लो लगाया।

ब्रोकरेज फर्म ने बढ़ाया टारगेट प्राइस- पेटीएम के शेयरों में आई इस गिरावट के बीच ब्रोकरेज फर्म बैंक ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट आई है। इस नोट में क्रम्पद्धड्ड ने पेटीएम के स्टॉक्स पर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1290 रुपये कर दिया है। बैंक ऑफ अमेरिका ने पेटीएम के शेयरों पर न्यूट्रल की रेटिंग को बरकरार रखा है। इस ब्रोकरेज फर्म का मानना ??है कि पेटीएम की कारोबारी गति स्थिर है और लागत में कटौती की और गुंजाइश है।

वोडा-आइडिया की गुहार सुनने को सुप्रीम कोर्ट तैयार, शेयर बना रॉकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने टेलीकॉम की लीडिंग कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को बड़ी राहत दी है। दरअसल, कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया, जिसमें 2016-17 तक के लिए अतिरिक्त समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मांगों को रद्द करने की मांग की गई है। न्यायालय 26 सितंबर को मामले की सुनवाई करेगा। इस खबर के बाद वोडाफोन आइडिया के 9 रुपये से कम वाले शेयर पर निवेशक टूट पड़े और इसमें 12 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी आई। ट्रेडिंग के दौरान शेयर का भाव 8.82 रुपये पर पहुंच गया। एक दिन पहले इस शेयर की कीमत 8 रुपये से भी कम थी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने दूरसंचार कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और केंद्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करने के बाद याचिका पर विचार के लिए अगले शुक्रवार की तारीख तय की। विधि अधिकारी ने कहा कि अब परिस्थितियां बदल गई हैं और संबंधित पक्ष समाधान खोजना चाहते हैं। कंपनी ने आठ सितंबर को एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग (डॉट) को तीन फरवरी, 2020 के कटौती सत्यापन दिशानिर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक के सभी एजीआर बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन करने का अनुरोध किया था।

बुलेट बनाने वाली कंपनी ने किया मालामाल, 1 लाख रुपये के बना दिए 56 लाख रुपये से ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलेट मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी आयशर मोटर्स ने पिछले 15 साल में शेयरधारकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। आयशर मोटर्स के शेयरों ने पिछले 15 साल में 1 लाख रुपये के निवेश को 56 लाख रुपये से ज्यादा बना दिया है। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई के बिल्कुल करीब पहुंच गए हैं। आयशर मोटर्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 7016 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 4500 रुपये है।

आयशर मोटर्स के शेयरों ने पिछले 15 साल में 5600 पर्सेंट से अधिक का रिटर्न दिया है। आयशर मोटर्स के शेयर 17 सितंबर 2010 को 122.19 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 सितंबर 2025 को BSE में 6962.10 रुपये पर बंद हुए हैं। अगर किसी व्यक्ति ने 17 सितंबर 2010 को रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल बनाने वाली इस कंपनी के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने निवेश को बनाए रखा होता तो 1 लाख रुपये से खरीदे गए शेयरों की मौजूदा वैल्यू 56.97 लाख रुपये होती।

बुलेट मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी आयशर मोटर्स के शेयर पिछले पांच साल में 224 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 18 सितंबर 2020 को 2152.95 रुपये पर थे। आयशर मोटर्स के शेयर 19 सितंबर 2025 को 6962.10 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में कंपनी के शेयरों में 141 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। वहीं, पिछले एक साल में आयशर मोटर्स के शेयर 43 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में 36 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। पिछले एक महीने में आयशर मोटर्स के शेयर करीब 18 पर्सेंट उछले हैं।

6 महीने में 41% की तेजी, रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा भाव, कीमत 200 रुपये से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉमर्शियल व्हीकल बनाने वाली कंपनी अशोक लेलैंड के शेयरों में आज लगातार चौथे कारोबारी दिन तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी आज शुक्रवार को देखने को मिली है। एक तरफ जहां घरेलू स्टॉक मार्केट संघर्ष कर रहा है तो वहीं अशोक लेलैंड के शेयरों में उछाल देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 142.70 रुपये के लेवल पर पहुंच गए थे। यह अशोक लेलैंड के शेयरों का नया रिकॉर्ड हाई है। बता दें, सितंबर के महीने में इस कॉमशर्यिल व्हीकल्स बनाने वाली कंपनी के शेयरों में 11 प्रतिशत की तेजी देखने को मिल चुकी है।

अशोक लैलेंड ने इसी हफ्ते की शुरुआत में कहा था कि वो अगले 10 साल में 5000 करोड़ रुपये का इंवेस्टमेंट करेंगे। कंपनी इसका उपयोग अगली जनरेशन के ऑटोमोटिव और नॉन ऑटोमोटिव एप्लिकेशंस और एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए करेगी।

बीते 6 महीने में अशोक लेलैंड के शेयरों की कीमतों में 41 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी का शेयर 101 रुपये से बढ़कर 142 रुपये के पार पहुंच गया है। अप्रैल के महीने में कंपनी के शेयरों में सबसे अधिक 10 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली थी।

33 महीने बाद राहत...अडानी के शेयरों ने दिखाया दम, निवेशकों ने कमाए 46000 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब 33 महीने से चल रहे गौतम अडानी समूह और हिंडनबर्ग के बीच के विवाद का अंत हो गया है। दरअसल, इस मामले में शेयर बाजार के नियामक सेबी ने अपना फैसला सुना दिया है। सेबी ने हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में अडानी समूह को पूरी तरह से क्लीन चिट दे दी है। इस राहत के बाद अडानी समूह की कंपनियों के शेयर ने जोरदार प्रतिक्रिया दी। इस वजह से शुक्रवार को अडानी समूह का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 46,000 करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 13.8 लाख करोड़ रुपये हो गया।

अडानी समूह के सूचीबद्ध शेयरों में उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। अडानी टोटल गैस में 9त्न से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई तो अडानी पावर में 7त्न का उछाल आया। इसी तरह, अडानी एंटरप्राइजेज में 4त्न की बढ़त दर्ज की गई जबकि अडानी ग्रीन, अडानी एनर्जी और अडानी पोर्ट्स में 2-3त्न की बढ़त दर्ज की गई।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने दो मामलों में अडानी समूह के खिलाफ हिंडनबर्ग के आरोपों को तथ्यहीन करार दिया और कहा कि समूह की ओर से बाजार नियमों का उल्लंघन नहीं हुआ है। इन मामलों में एक माइलस्टोन ट्रेडलिंक्स प्राइवेट लिमिटेड और रेहवर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ अडानी समूह के ट्रांजैक्शन से जुड़ा है। दूसरा मामला एडीकॉर्प इंटरप्राइजेज लिमिटेड के साथ लेन-देन से जुड़ा है।

सेबी ने निर्णय में कहा है कि ये ट्रांजैक्शन एक ही समूह के तहत आने वाली कंपनियों के बीच के लेनदेन की श्रेणी में नहीं आते। सेबी ने कहा कि इन सौदों में कंपनियों के शेयरों की बाजार सूचीबद्धता संबंधी दायित्वों और सार्वजनिक सूचना के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

कम क्रेडिट स्कोर पर ऐसे मिलेगा पर्सनल लोन, 3 लाख का लोन मंजूर कराने के आसान तरीके

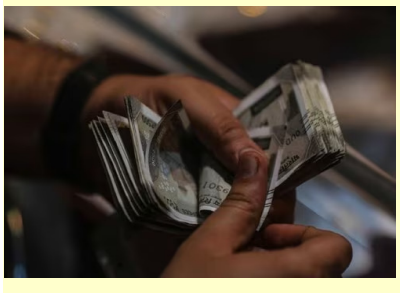

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपका क्रेडिट स्कोर 650 है और आपको तीन लाख रुपये के पर्सनल लोन की जरूरत है, तो यह संभव है, लेकिन यह रास्ता बिल्कुल आसान नहीं होगा। आपको कई पड़ावों से गुजरना पड़ सकता है। बैंक या लेंडर आपको थोड़ा जोखिम भरा मान सकते हैं, जिसकी वजह से आपको लोन मिलने में ज्यादा वक्त लग सकता है, ब्याज दरें ऊँची मिल सकती हैं और चुकौती की शर्तें थोड़ी सख्त हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने लोन के लिए कोई न्यूनतम क्रेडिट स्कोर तय नहीं किया है। फिर भी, 750 या उससे ऊपर के स्कोर वाले लोगों के मुकाबले 650 का स्कोर यह दिखाता है कि आपका पैसों का प्रबंधन थोड़ा कमजोर रहा होगा। इसी वजह से लेंडर सतर्क हो जाते हैं और आपकी अर्जी को बहुत गहराई से जांचते हैं।

ज्यादातर बड़े बैंक 720 या उससे अधिक स्कोर वाले लोगों को तरजीह देते हैं। 750 को बेहतरीन माना जाता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जीएसटी में बदलाव का मिलने वाला है तोहफा! दूध, घी, पनीर और मक्खन हो सकते हैं सस्ते

ग्वालियर। ब्रांडेड घी, मक्खन व पनीर की कीमतें 22 सितंबर से कम हो जाएंगी और उपभोक्ताओं को सीधे-सीधे महंगाई से राहत मिलेगी। ग्वालियर दुग्ध संघ के सांची घी, बटर व पनीर की कीमतों को कम करने के लिए प्रस्ताव भोपाल भेजा गया है। एक या दो दिन में इस प्रस्ताव के मंजूर होकर आने की उम्मीद है। हालांकि नई कीमतें 22 सितंर से ही लागू होंगी। इसके साथ ही अन्य ब्राडेंड कंपनियों ने अभी अपने टेट्रापैक दूध की घटी हुई दरों को तो घोषित कर दिया है। लेकिन अब ये कंपनियां घी, बटर व पनीर की घटी दरों को घोषित करने की तैयारी में हैं। वहीं खुले बाजार में मिलने वाले घी, मक्खन व पनीर पर लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी। क्योंकि इनकी दरें डेयरी संचालकों के ऊपर निर्भर करती हैं।

इस तरह तरह मिलेगा फायदा

पनीर जीएसटी से बाहर, इसलिए अधिक मिलेगा फायदा- पनीर को जीएसटी 2.0 में टैक्स से बाहर कर दिया गया है। हालांकि पहले इस पर 12 प्रतिशत टैक्स था। यानि अभी सांची का एक किलो पनीर 380 रुपये प्रति किलो आता है। अब 22 के बाद जब इससे टैक्स हट जाएगा तो उपभोक्ताओं को सीधे सीधे एक किलो पर 47 रुपये का फायदा मिल सकता है। घी और मक्खन पर सात प्रतिशत होगी बचत- घी व मक्खन को जीएसटी 2.0 में पांच प्रतिशत के टैक्स स्लैब में लाया गया है। पहले दोनों ही उत्पाद 12 प्रतिशत के स्लैब में थे। यानि उपभोक्ताओं को सीधे सीधे दोनों ही उत्पादों पर सात प्रतिशत का फायदा होगा। मसलन, सांची का एक किलो घी 630 रुपये प्रतिकिलो आता है। अब इस पर से सात प्रतिशत जीएसटी कम होगा तो करीब 44 रुपये की बचत लोगों को होगी। यानि एक किलो घी लोगों को 586 रुपये के आसपास मिलेगा।

इसी तरह मक्खन पर भी रेट कम होंगे।

जीएसटी की नई दरें केवल सांची ही नहीं, सभी कंपनियों के डेयरी प्रोडक्ट पर लागू होंगी। इसलिए सभी कंपनियों के घी, मक्खन व पनीर सस्ता होगा और लोगों को बचत होगी। बाजार में खुले घी, पनीर व मक्खन की कीमतों पर असर नहीं बाजार में डेयरी व अन्य दुकानों पर मिलने वाला घी, मक्खन व पनीर पहले से ही अलग अलग कीमतों पर मिलता है। कहीं पर घी सात सौ रुपए किलो मिलता है तो कहीं पर 650 रुपये तो कहीं पर शुद्ध के नाम पर 14 सौ रुपये किलो।खास बात यह है कि ये डेयरी व दुकान वाले जीएसटी में रजिस्टर्ड भी नहीं है और जो उत्पाद ये लोग बेचते हैं उसका जीएसटी भी शायद ही देते हों। ऐसे में बाजार में खुले में मिलने वाले घी, दूध व पनीर की दरों पर असर नहीं पड़ेगा और शायद ही उपभोक्ताओं को यहां पर राहत मिले।

ग्वालियर दुग्ध संघ के सीईओ राशिद खान ने कहा कि जीएसटी की दरों में 22 सितंबर से बदलाव होना है। इन बदलावों के मद्देनजर भोपाल मुख्यालय को घी, मक्खन व पनीर की परिवर्तित दरों के प्रस्ताव को भेजा गया है। जल्द ही प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद घटी दरों पर लोगों को सांची का घी, मक्खन व पनीर मिलेगा।

शादी के 25 दिन बाद छोड़कर गई पत्नी, पति ने जहर खाकर दी जान

जबलपुर। अधारताल थाना क्षेत्र निवासी युवक का सागर की युवती के साथ विवाह हुआ। विवाह के बाद कुछ दिन तक दोनों ठीक से रहे। फिर पत्नी ने पति से विवाद करना शुरू कर दिया। विवाह के 25 दिन बाद ही वह ससुराल से भाग गयी। मायके में जाकर रहने लगी। पति ने फोन किया तो बोली कि वह अब नहीं लौटेगी। फोन पर भी उसने पति से अभद्रता किया।

पत्नी के व्यवहार से क्षुब्ध और मानसिक प्रताड़ना से व्यथित पति ने जहर का सेवन कर लिया। उसकी मौत हो गई। मामले में आरोपित पत्नी सागर के सिविल लाइंस निवासी दीक्षा पटेल के विरुद्ध पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला पंजीबद्ध किया गया है। आरोपित दीक्षा पटेल की तलाश की जा रही है।

अधारताल के नेता नगर निवासी नीरज पटेल का विवाह लगभग चार माह पूर्व सागर के मीठे नल सुभाष नगर निवासी दीक्षा के साथ हुआ था। विवाह के बाद से दीक्षा घरेलू बातों को लेकर विवाद करती थी। बोलती थी कि माता-पिता ने जबरन उसका विवाह कर दिया है। इस बीच 22 जून को वह ससुराल में किसी को कुछ बताए बिना 22 जून को अपने जीजा एवं दीदी के साथ मायके चली गई। वह जब गई तब घर पर नीरज भी नहीं था। जाते समय दीक्षा अपने कपड़े एवं आभूषण भी लेकर चली गई। जब नीरज घर लौटा तो उसे पत्नी के बिना किसी को बताएं कहीं चले जाने का पता चला। जिससे वह व्यथित हो गया।

मायके जाने के बाद नीरज से फोन पर बातचीत में भी उसकी पत्नी मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थी। 22 जून को दंपति के बीच अंतिम बार फोन में बातचीत हुई। तब भी पत्नी ने नीरज को धमकाया। बोली कि उसे यह विवाह मंजूर नहीं है। वह जो करना चाहे कर ले लेकिन वापस नहीं लौटेगी। उसकी बातों को सुनकर नीरज अवसाद में आ गया। 22 जून की रात को घर पर जहर खा लिया। उसका स्वास्थ्य अचानक खराब होने पर परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां, उपचार के दौरान 23 जुलाई की देर रात को उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले में परिजनों से पूछताछ किया तो पत्नी के प्रताड़ित किए जाने का पता चला।

छिंदवाड़ा में प्रभारी मंत्री के फर्जी लेटरहेड से तबादला रोकने का मामला, जिला पंचायत सीईओ ने दर्ज कराई एफआईआर

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में प्रभारी मंत्री राकेश सिंह के नाम पर फर्जी लेटरहेड और हस्ताक्षर का इस्तेमाल कर तबादला रुकवाने का मामला सामने आया है। जिला पंचायत सीईओ ने इस मामले में कोतवाली पुलिस में ख्रद्भक्रदर्ज कराई है।

तामिया जनपद के ग्राम रोजगार सहायक (जीआरएस) का तबादला रुकवाने के लिए प्रभारी मंत्री राकेश सिंह के नाम का फर्जी पत्र तैयार किया गया।

इस पत्र में मंत्री के लेटरहेड और हस्ताक्षर का उपयोग किया गया है। जिला पंचायत ने इस मामले में कोतवाली पुलिस को शिकायत भेजी है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है।

कोतवाली निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि तामिया जनपद के अंतर्गत पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक दिनेश साहू का तबादला खापासानी पंचायत के लिए किया गया था।

लेकिन 20 जुलाई को कलेक्टर के नाम एक पत्र पेश किया गया, जिसमें प्रभारी मंत्री राकेश सिंह का लेटरहैड और हस्ताक्षर लगे हुए दिखाए गए। इसी पत्र के आधार पर दिनेश साहू का तबादला रोक दिया गया और वे अब भी तामिया में ही पदस्थ हैं।जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी (एडिशनल सीईओ) पी. राजोदिया ने बताया कि उन्हें इस पत्र की सत्यता पर संदेह हुआ। जब उन्होंने इसकी पुष्टि करने की कोशिश की, तो फर्जीवाड़े की आशंका मजबूत हुई। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस को भेज दी है और पत्र की जांच की मांग की है।।

एक दिन में 33 बच्चे मुक्त कराए, बाल कल्याण समिति ने की काउंसलिंग

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले में बाल और किशोर श्रमिकों को मुक्त कराने के लिए एक दिवसीय अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत जिले भर से कुल 33 बाल श्रमिकों का रेस्क्यू किया गया।

अभियान के लिए एक विशेष टीम गठित की गई, जिसके नोडल अधिकारी अनुविभागीय अधिकारी (परासिया) जितेंद्र सिंह जाट थे। इस टीम ने शहर के भीतर दुकानों, ढाबों, रेस्टोरेंट, ऑटो गैरेज, वाशिंग सेंटर और कारखानों जैसी जगहों पर छापेमारी कर 14 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया।

इसी तरह की कार्रवाई थाना चांद, रावनवाड़ा, परासिया, तामिया और अमरवाड़ा में भी की गई, जहाँ 19 और बाल श्रमिकों को रेस्क्यू किया गया। अन्य सभी थानों में बाल श्रमिकों के होने का कोई मामला नहीं पाया गया।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार, 4 हजार रुपए के साथ EOW ने रंगे हाथों दबोचा

डिंडौरी। जिले में राजस्व विभाग में पदस्थ पटवारी रामकिशोर चावले शुक्रवार सुबह रिश्वत लेते हुए आर्थिक अपराध अन्वेषण संगठन की टीम के हत्थे चढ़ गया। जिला मुख्यालय के पुरानी बस्ती क्षेत्र में सुबह करीब 10 बजे यह कार्रवाई की गई।

बताया गया कि डिंडौरी तहसील अंतर्गत ग्राम कोहका हल्का निवासी शिकायतकर्ता राजाराम बिलागर से जमीन नामांतरण के एवज में पटवारी द्वारा 4 हजार रुपये रिश्वत मांगे जाने की शिकायत 11 सितंबर को EOW में दर्ज कराई थी।

रंगे हाथों पकड़ा गया पटवारी-शिकायत की पुष्टि के बाद शुक्रवार को 12 सदस्यीय टीम ने जाल बिछाकर पटवारी को रिश्वत की राशि लेते रंगे हाथों दबोच लिया। ईओडब्ल्यू ने आरोपी पटवारी रामकिशोर चावले के खिलाफ धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बताया गया कि आरोपित किराए के मकान में रिश्वत की राशि लेते पकड़ा गया।

सिंहस्थ के मद्देनजर कान्ह एवं सरस्वती नदी की स्वच्छता और साफ-सफाई के लिए बनेगी समयबद्ध विशेष कार्ययोजना

इंदौर। सांसद श्री शंकर लालवानी ने कहा है कि आगामी सिंहस्थ के मद्देनजर कान्ह एवं सरस्वती नदी की स्वच्छता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। कान्ह एवं सरस्वती नदी की शुद्धिकरण के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जिले में बारिश से क्षतिग्रस्त हुई सड़कों के गड्ढे भरने और मरम्मत का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए। विशेषकर बायपास और निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज के डायवर्शन की मरम्मत का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर तकनीकी खामियों से होने वाली दुर्घटनाओं के लिए अधिकारियों की जवाबदेही तय कर सख्त कार्रवाई की जाए।

श्री लालवानी आज यहां जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में सांसद सुश्री कविता पाटीदार, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, विधायक श्री रमेश मेंदोला सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में आगामी सिंहस्थ को लेकर कान्ह एवं सरस्वती नदी की स्वच्छता और साफ-सफाई, सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रम और सड़कों की मरम्मत पर विशेष चर्चा की गई। इस अवसर पर कान्ह एवं सरस्वती नदी की स्वच्छता और साफ-सफाई के लिए नमामि-गंगे के अंतर्गत किए गए कार्यों की समीक्षा हुई। सांसद श्री शंकर लालवानी ने निर्देश दिए कि नदी पुनरुद्धार और जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत कान्ह एवं सरस्वती नदी की स्वच्छता और सौन्दर्यीकरण के लिए शीघ्र योजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। यह प्रयास किए जाये कि यह कार्य सिंहस्थ के पहले पूर्ण हो जाए। नदी का जल शुद्ध रहने के साथ वह शुद्ध दिखाई भी दें। उन्होंने कहा कि इंदौर के बायपास पर राऊ से लेकर क्षिप्रा तक निर्माणाधीन ओव्हर ब्रिज के डायवर्शन सड़क की मरम्मत का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाए। शहर की अन्य सड़कों की मरम्मत पर भी विशेष ध्यान देंवे।

बैठक में सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने कहा कि सिंहस्थ को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र की नदियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्र की नदियों की स्वच्छता पर ही शहरी की उक्त दोनों नदियों की शुद्धता निर्भर है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में यह प्रयास करें कि नदियों में दूषित जल नहीं मिले, इसके लिए ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नदियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देकर शुद्धिकरण के लिए कार्य योजना बनायी जाए, इसके लिए उन्होंने ग्रामीण यात्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सड़क निर्माण से जुड़े विभागों के अधिकारियों से कहा कि वे सड़कों की मरम्मत का कार्य अतिशीघ्र प्रारंभ कर देंवे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में गीले एवं सूखे कचरे के सेग्रीगेशन की व्यवस्था भी करने के निर्देश दिए।

बैठक में महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि शहर से लगे हुए सभी गाँवों विशेषकर शहर में आने वाली ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

डॉ. डेविश जैन को साहित्य अलंकरण सम्मान

इंदौर। प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डेविश जैन को शिक्षा और साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए साहित्य अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने प्रेस्टीज समूह के संस्थापक पद्मश्री डॉ. नेमनाथ जैन के 94वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित भव्य कवि सम्मेलन में प्रदान किया। पुरस्कार प्रदान करते हुए मंत्री सिलावट ने डॉ डेविश जैन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने पिता पद्मश्री डॉ नेमनाथ जैन के पदचिन्हों पर चलते हुए प्रेस्टीज शिक्षण समूह को पुरे प्रदेश में प्रतिष्ठित किया। डॉ. जैन ने इस सम्मान को अपने पिता को समर्पित करते हुए कबीर ओ ग़ालिब संस्था का आभार व्यक्त किया, जिसने उन्हें यह गौरवपूर्ण पुरस्कार प्रदान किया।

प्रेस्टीज समूह के संस्थापक के 94वें जन्मदिन पर प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के यूजी कैंपस में बृहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में पूज्य श्री वसन्त विजयानन्द गिरी जी महाराज का यादगार सत्र

इंदौर। संतों को वाणी पर संयम रखते हुए दूसरे संतों की निंदा से बचना चाहिए। उन्हें आदर्श मानने वाले और उनको फॉलो करने वाले लोगों की संख्या बहुत बड़ी होती है जो देखते हैं कि हमारे महाराज वही कार्य कर रहे हैं जो करने से वे दूसरों को रोकते हैं। ये बात पूज्य श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज ने स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित रूबरू कार्यक्रम में पत्रकारों को संबोधित

करते हुए कही। विज्ञान सम्मत हैं हमारी प्राचीन परंपराएं - श्री वसन्त विजय जी महाराज ने कहा कि अनेक भारतीय प्राचीन परंपराएं आज वैज्ञानिक शोध के पश्चात विज्ञान सम्मत साबित हो रही हैं। जैसे घर के पीछे कोयला बांधना, मंदिर में नहाकर जाना, आदि के फायदे अब वैज्ञानिक भी मानने लगे हैं। महाराजश्री ने अपने द्वारा किए बताए जाने वाले उपायों को भी काल गणना, राशि सिद्धांत, वास्तु, रत्न विज्ञान, होरालॉजी,साईनोलॉजी आदि के शोध के उपरांत विद्युद्धतः कल्याणार्थ बताया। उन्होंने कहा कि हम विराट प्रकृति का बेहद सूक्ष्म अंश हैं तथा हमें प्रयास करना चाहिए कि हम शक्तिशाली प्राकृतिक शक्ति से सर्वाधिक सहयोग लेना चाहिए।

सिद्धांतों की विकृति है सनातन के सामने चुनौती - श्री वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में हमारे प्राचीन सिद्धांतों, त्यौहारों इत्यादि का उपहास उड़ाना आज के युग का दुखद पहलू है।

सामाजिक सेवा भाव से करें वृक्षारोपण और स्वच्छता के कार्य - मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट आज सेवा पखवाडा के अन्तर्गत अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 35-36 की लसुडिया मोरी और निपानिया क्षेत्रों में पहुँचकर संजीवनी क्लीनिक और शिव मंदिरों और शासकीय स्कूलों में सफाई कर वृक्षारोपण किया। मंत्री

श्री सिलावट ने बताया कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्म दिवस 17 सितंबर के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा अभियान प्रारंभ किया गया है।

माहेश्वरी कुटुंभ का मां अन्नपूर्णा मंदिर में संकल्प... सोशल मीडिया में लिन युवाओं को मां की आराधना से जोड़ेंगे

इंदौर। आज के समय में युवा पुरुष और महिलाएं व्हाट्सप्प यूट्यूब इंस्टाग्राम फेसबुक आदि में लीन अपना ज्यादातर समय व्यतीत कर रहे है वह सामाजिकता घर परिवार से दूर हो रहे है इसलिए माहेश्वरी कुटुंभ संस्था भक्ति से जोड़कर सामाजिकता को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया है जिसमें नवरात्र के दौरान मां अन्नपूर्णा को भव्य चुनरी 26 सितंबर को अर्पित कर भव्य गरबा महारास 27 व 28 सितंबर को अक्षत गार्डन में आयोजन करने का संकल्प लिया है।

संस्था माहेश्वरी कुटुंब परिवार के शारदा प्रकाश अजमेरा ने बताया कि 26 सितंबर को परंपरागत महालक्ष्मी मंदिर उषा नगर से भव्य चुनरी यात्रा मां मानपूर्ण मंदिर तक निकाली जावेगी। मां अन्नपूर्णा मंदिर परिसर में सैकड़ो समाज जनों की उपस्थिति में चुनरी यात्रा को ऐतिहासिक बनाने एवं महा गरबा रास को संस्कार संस्कृति और परिवार से जोड़ने का संकल्प लिया। मंदिर परिसर में समाज जनों की बड़ी बैठक के दौरान चुनरी यात्रा और गरबा महारास के लिए विभिन्न अलग अलग टीम का गठन किया गया इसमें मुख्य रूप से प्रसादी, यात्रा संचालन, यातायात व्यवस्था, मंच सज्जा, भोजन प्रसादी, आगंतुक मेहमानों का स्वागत सत्कार , गरबा प्रैक्टिस संचालन समूह , पुरस्कार वितरण आदि 20 समूह में तकरीबन 200 समाज जन ओ महिला पुरुष और युवाओं की सहभागिता रहेगी। मां अन्नपूर्णा मंदिर में हुई बैठक के दौरान शारदा प्रकाश अजमेरा,श्याम भांगड़िया,आशीष बाहेती,राधे श्याम शारदा ,जय किशन डागा,पुरुषोत्तम मानधनिया,श्याम सुंदर अटल,सुभाष अजमेरा,रामचंद्र काकानी ,बलराम बजाज,राजेश लड्डा ,पप्पू सिक्कि,अभय डागा ,दिनेश जेठलिया ,नीलू मालपानी,प्रियंका भलिका,राखी अजमेरा,विनीता जेथलिया, गोपालदास राठीआदि समाज जन उपस्थित थे , आयोजन का निमंत्रण संस्था सदस्यों ने चुत्री इंदौर स्थित खड़े गणपति मंदिर, मा अन्नपूर्णा मंदिर को समर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की है।

वरिष्ठ नागरिकों को करायी गई शहर की ऐतिहासिक धरोहरों की सैर

इंदौर। पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार सेवा पर्व के अंतर्गत भारत पर्यटन कार्यालय इंदौर द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में इंदौर शहर स्थित आस्था वृद्धा सेवा आश्रम के वरिष्ठ नागरिकों को शहर की ऐतिहासिक धरोहरों की सैर कराई गई तथा उनके महत्व से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक भारत पर्यटन इंदौर श्री ए. गोपाल ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को शहर की ऐतिहासिक धरोहरों एवं स्वर्णिम इतिहास से जोड़ना तथा समाज में सेवा एवं सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत वरिष्ठ इतिहासकार श्री जफर अंसारी ने इंदौर की ऐतिहासिक इमारतों और होलकर कालीन स्वर्णिम धरोहरों पर रोचक जानकारी साझा की तथा अपने निजी संग्रह से दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं का प्रदर्शन किया। विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन प्रातः 10 बजे लालबाग पैलेस से आरंभ हुआ, जो महाराजा हरीराव होल्कर की छत्री से होकर गुजरते हुए दोपहर 12 बजे राजवाड़ा पर संपन्न हुआ। इसके उपरांत हेरिटेज वॉक का समापन किया गया। कार्यक्रम में ,छ्ड्ढह्लु ट्रैवल संगठन के सहयोग से सभी प्रतिभागियों को चोटीवाला रेस्टोरेंट में भोजन कराया गया तथा पुष्पमाला एवं गुलदस्ते भेंट कर वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया। इस आयोजन के माध्यम से समाज में सेवा भाव, सांस्कृतिक जुड़ाव तथा वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शहर में त्यौहारों पर कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने लिए हुई बलवा ड्रील

200 से अधिक पुलिसकर्मियों ने किया दंगा नियंत्रण अभ्यास

उज्जैन। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में आज दिनांक 19.09.2025 को प्रातः 07-00 बजे टॉवर चौराहा, उज्जैन पर बलवा ड्रिल का आयोजन किया गया।

यह अभ्यास आगामी त्यौहारों जैसे दुर्गा उत्सव, दिवाली आदि को दृष्टिगत रखते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ बनाने तथा भीड़ नियंत्रण में दक्षता विकसित करने के उद्देश्य से किया गया।

इस अभ्यास में 200 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं जवान सम्मिलित हुए। मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गुरु प्रसाद पाराशर, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली राहुल देशमुख (आईपीएस), नगर पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक) श्रीमती दीपिका शिंदे, नगर पुलिस अधीक्षक (ट्रैफिक) श्रीमती पुष्पा प्रजापति, रक्षित निरीक्षक उज्जैन, थाना प्रभारियों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बलवा ड्रिल का विस्तृत विवरण -दल विभाजन पुलिस बल को दो दलों में विभाजित किया गया। एक दल बलवाई/उपद्रवी की भूमिका में रहा, जबकि दूसरा दल नियंत्रण दल की भूमिका निभाता रहा।

स्थिति निर्माण ङ्क उपद्रव व विवाद जैसी परिस्थितियों को सजीव रूप से दर्शाया गया, ताकि पुलिस बल वास्तविक समय जैसी परिस्थिति में काम करना सीखे।

रोकथाम एवं नियंत्रक तकनीक -फॉर्मेशन अभ्यास कराया गया, जिसमें जवानों को ढाल एवं लाठी के साथ व्यवस्थित पंक्ति में खड़ा होकर भीड़ को पीछे धकेलने का प्रशिक्षण दिया गया।

लाठी चार्ज की प्रक्रिया, संकेत पर एक साथ आगे बढ़कर बल प्रयोग करने की रणनीति प्रदर्शित की गई।

आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया, जिसमें गैस शेल फेंकने के बाद हवा का रुख, सुरक्षित दूरी और भीड़ को तितर-बितर करने की तकनीक का भी अभ्यास किया गया।

अरेस्टिंग पार्टी अभ्यास (अराजक तत्वों की गिरफ्तारी) ङ्क बलवाई दल से चुनिंदा लोगों को नियंत्रित कर हिरासत में लेने का तरीका दिखाया गया।

अन्य थाना क्षेत्रों में बलवा ड्रिल अभ्यास-इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक उज्जैन के निर्देशन में जिला उज्जैन के देहात थाना क्षेत्र में भी बलवा परेड आयोजित की गई।

जीते जी पेंशनर्स सरकार को जगाने श्मशान पहुंचे चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर बैठक में शासन एवं शिक्षा विभाग उज्जैन को सुबुद्धि के लिए पेंशनर्स ने मौन रखा 2 मिनट का

उज्जैन। पिछले बैठक में तय निर्णय पालन में प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन जिला उज्जैन के तत्वावधान में चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर शमशेर सिंह तोमर की अगुवाई में तथा प्रो.रामराजेश मिश्र के आतिथ्य में पेंशनर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोमल भूतड़ा संभागीय अध्यक्ष ने उपस्थित पेंशनर्स का स्वागत किया।

बैठक में अशोक दुबे जिला अध्यक्ष ने शिक्षा विभाग के पेंशनर्स के प्रकरणों के बारे में वस्तुस्थिति की जानकारी देते हुए वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।शिक्षा विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक पेंशनर के अर्जित अवकाश नगदीकरण प्रकरणों के बारे में चर्चा की गई। शिक्षा विभाग मनमानी, हठधर्मिता एवं अकर्मण्यता के विरोध स्वरूप ही चक्रतीर्थ श्मशान घाट पर पेंशनर्स ने बैठक रखी है ताकि प्रतीकात्मक विरोध दर्ज कराया जा सके। बैठक में तय किया गया है कि यदि सेवानिवृत्त शिक्षकों के अर्जित अवकाश नगदीकरण प्रकरणों का अति शीघ्र निपटारा शिक्षा विभाग द्वारा नहीं किया जाता है, तो नवरात्रि के पश्चात जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय उज्जैन पर शांति पूर्ण आंदोलन घेराव प्रदर्शन धरना एवं अन्य आंदोलन किए जायेंगे, जिसके लिए शिक्षा विभाग उज्जैन ही पूर्णरूपेण जिम्मेदार होगा।

बैठक में 7 अक्टूबर 2025 को प्रदर्शन करने का तय किया गया, इसकी सूचना मध्यप्रदेश शासन एवं संबंधित को करने हेतु तय किया गया। शिक्षा विभाग की नकारात्मक रवैए के विरोध में शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों तथा प्रदेश के पेंशनर्स की मांगों एवं समस्याओं पर लंबे अरसे से ध्यान नहीं देने से उपजे आक्रोश के प्रतिकार स्वरूप बैठक स्थल पर 2 मिनट का मौन रखा गया। बैठक में संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई।

संस्कारों से बनता है दृष्टिकोण -डॉ. आर. के. विजय

उज्जैन। वाणिज्य अध्ययनशाला, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना डॉक्टर आर. के. विजय ने अपने उद्बोधन में कहा कि, संस्कारों से दृष्टिकोण बनता है। विद्यार्थियों को सर्वांगीण विकास के लिए चार दृष्टिकोण पर ध्यान देना चाहिए। एन.एस.एस., एन.सी.सी., स्काउट और रेड क्रॉस ङ्क यह चारों घटक हमें समुदाय के प्रति उत्तरदायी बनाते हैं।

रिगल टॉकिज डिस्मेंटल में निकल रहे लाखों का सामान डकार रहे अधिकारी

उज्जैन। जिस निर्माण कार्य का भूमिपूजन स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया उस गोपाल मंदिर स्थित रिगल टॉकिज डिस्मेंटल में निकल रहे लाखों के सामान को ठिकाने लगाने की जिम्मेदारी नगर निगम में आर्थिक भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ आपत्तिजनक व्यवहार जैसे आरोपों से घिरे पियूष भार्गव को सोंपी गई है। वहां से गाड़ियां भरकर सामान जा रहा है। नगर निगम की संपत्ति को लुटाया जा रहा है,

पर कोई देखने वाला नहीं। पहले डिस्मेंटल का ठेका नगर निगम हमेशा अलग-अलग कंपनियों, लोगों को देती आई है। लेकिन इस बार डिस्मेंटल का ठेका नहीं किया गया।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय ने निगमायुक्त को पत्र के माध्यम से इस पर आपत्ति लेते हुए कहा कि गोपाल मंदिर स्थित निगम प्रशासनिक भवन एवं अन्य से निकलने वाले स्क्रेप की अनुमानित कीमत लगभग 75 लाख रूपये आंकी गई है। नगर निगम ने बिल्डिंग बनाने वाले को जो टेंडर दिया है, इसमें तोड़ने का पैसा भी नगर निगम द्वारा दिया जा रहा है, टूटने के बाद करीब 75 लाख का सामान यह कहा जाएगा इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है। उक्त निर्माण की फाइलें भी अधिकारियों द्वारा छिपाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। निगम परिषद की बैठक में पुरी फाइल नहीं रखी।

श्री अग्रवाल पंचायत न्यास द्वारा अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव अंतर्गत बड़ी संख्या में अग्र परिवारजन पहुँचे

श्राद्ध पर्व पर अग्र वंशीय परिवार में 75 पीढ़ियों के अमर बलिदानियों का तर्पण हुआ

उज्जैन। महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव अंतर्गत श्री अग्रवाल पंचायत न्यास द्वारा अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम में बड़ी संख्या में अग्र परिवार के वरिष्ठजन पहुँचे। आश्रम के मुख्य द्वार पर सदुरू बैण्ड एवं वैदिक मंत्रोंच्चार द्वारा श्री अग्रवाल पंचायत न्यास अध्यक्ष निमेश अग्रवाल एवं वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती सरोज अग्रवाल के नेतृत्व में पहुंचे।

एवं अग्रवंशीय परिवारजनों का आश्रम संस्थापक सुधीर भाई गोयल, श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी, गोरी गोयल सहित आश्रम के विशेष बच्चों ने केशरिया दुष्टे एवं पगड़ी से सम्मान कर मधुर स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर आश्रम परिसर को केसरिया ध्वजों से सजाकर विशेष बच्चे महाराजा अग्रसेन के केशरिया ध्वजों को लहराकर स्वागत किया। सदुरू स्वाध्याय मंदिर में स्वामी रणछोड़दासजी महाराज एवं महाराज अग्रसेनजी के चित्र के समक्ष विकास दीप प्रज्वलित कर गौ सेवा की। सुधीर भाई ने आश्रम में संचालित विविध गतिविधियों की जानकारी देते हुए विभिन्न प्रकल्पों, अर्पण कुटीर, डिडवानिया रतनलाल अवेदना केन्द्र, सत्यवती महिला प्रकल्प, महावीर भोजन शाला, आनन्द करूणालाय, मतलानी विद्या विहार, श्रीमती जयंवती जाधव एकंरवाला भवन, हेम वज्र विश्रांति गृह में निवासरत बच्चों, युवाओं एवं बुजर्गों से आत्मीय मुलाकात कर उनके हालचाल जाने। इस अवसर पर आश्रम के विशेष बच्चों द्वारा मलखम्ब का प्रदर्शन एवं दृष्टिबाधित भोली अग्रवाल द्वारा गीतों की प्रस्तुति दी जिसे समस्त अतिथियों ने सराहा। आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा एवं उनके सहयोगियों ने अग्र वंशीय परिवार में 75 पीढ़ियों के अमर बलिदानियों का सामूहिक तर्पण कराया उनके द्वारा किए गए सद्कार्यों को याद किया।

इस अवसर पर न्यास वरिष्ठ अध्यक्ष निमेश अग्रवाल, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र मित्तल, नवयुवक मण्डल अध्यक्ष आयुष अग्रवाल, समाजसेवी सरोज अग्रवाल, किरण अग्रवाल, मीना गर्ग, दिपाली अग्रवाल, सुनिल बंसल, पुरूषोत्तम अग्रवाल, पूनम खेमानी, रेनू खेमानी, बिन्दु गर्ग, मिथलेश गर्ग, सीमा गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, वंश अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. विमल गर्ग, वी.के. गोयल, संजय अग्रवाल, यश गर्ग, राजेश गर्ग, अशोक मित्तल, शोभा गोयल सहित अनेक अग्रवंशीय वरिष्ठजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य शिविर में 450 लोगों की नि:शुल्क जांच की, 110 कुपोषित बच्चों को प्रोटीन के डिब्बे वितरण किये

उज्जैन। डॉ. खुशहाल चंदजी जैन की 27वीं पुण्य स्मरण तिथि पर शैल्बी हॉस्पिटल एवं अरिहंत मेडिकेयर मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, उज्जैन के सहयोग से विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य निदान शिविर आयोजित किया गया।

बुधवारीया गीता कॉलोनी कॉर्नर पर आयोजित शिविर में विश्व प्रसिद्ध जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम शाह की टीम द्वारा मरीजों को स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में शैल्बी हॉस्पिटल, अहमदाबाद से डॉ. ब्रिजेश पटेल सिनियर एसोसिएट आर्थोप्लास्टी, डॉ. राज लिंबाचीया एसोसिएट आर्थोप्लास्टी, शैल्बी होस्पिटल, इंदौर से डॉ. संजय रावत हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन, डॉ. यश जैन कंसलटेंट फिजिसियन द्वारा सेवाएं दी गई। कुपोषित बच्चों के लिए 110 प्रोटीन के डिब्बे वितरण किये गये। शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ही ब्लड प्रेशर शुगर, यूरिक एसिड, इ.सी.जी. बी.एम.डी. स्पाइरोमीटर की नि:शुल्क जांच की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीजन चेयर परसन लायन प्रदीप यादव, झोन चेयरपर्सन पर्सन लायन लोकेंद्र भूतड़ा, सीनियर लायन संजय सक्सेना, डॉ पुष्पेंद्र जैन, दीपक राजवानी, प्रवीण खंडेलवाल, सुनीता मूले संजय सिद्धा एसके सिंह आशीष पिपाड़ा, डॉ. गोस्वामी, डॉ. चित्रा जैन मौजूद रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com